संख्या-248/2023/3195/22-2-2022-17(1740)/2022

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 25 मई, 2023

विषय:- केन्द्रीय कारागार नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह, निवासी जनपद-सुलतानपुर की फार्म-ए/लाइसेन्स के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-29945/प्रोबेशन-3-फार्म-ए/(एम-04-08-2022) दिनांक-20-09-2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह, जो गाजनपुर दुबरिया, थाना-मुसाफिर खाना, जनपद-सुलतानपुर का निवासी है। सड़क बनाने के विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 27.04.2004 को बन्दी ने अपने 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी व कट्टे से गोली मारकर सत्य प्रकाश नामक व्यक्ति की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को एस0टी0 नं0-82/2007 में धारा-302, 323 आई0पी0सी0 में मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-05, सुलतानपुर के आदेश दिनांक 06.08.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 09.06.2021 तक 15 वर्ष, 09 माह, 01 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 04 माह, 03 दिन की सपरिहार सजा पूरी कर ली गयी है।

जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, सुलतानपुर द्वारा बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि सड़क बनाने के विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 27.04.2004 को बन्दी ने अपने 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी व कट्टे से गोली मारकर सत्यप्रकाश नामक व्यक्ति की हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अत: उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह (बन्दी संख्या-2015/459) पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह, निवासी जनपद-सुलतानपुर को यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत फार्म-ए के आधार पर मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की फार्म-ए/लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।
(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

संख्या-248/2023/3195(1)/22-2-2022 तद्दिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, सुलतानपुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-248/2023/3195/22-2-2022-17(1740)/2022

दिनांक 25 मई, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, नैनी, प्रयागराज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह, जो गाजनपुर दुबरिया, थानामुसाफिर खाना, जनपद-सुलतानपुर का निवासी है। सड़क बनाने के विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 27.04.2004 को बन्दी ने अपने 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी व कट्टे से गोली मारकर सत्य प्रकाश नामक व्यक्ति की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को एस0टी0 नं0-82/2007 में धारा-302, 323 आई0पी0सी0 में मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष सं0-05, सुलतानपुर के आदेश दिनांक 06.08.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 09.06.2021 तक 15 वर्ष, 09 माह, 01 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 04 माह, 03 दिन की सपरिहार सजा पूरी कर ली गयी है।

जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, सुलतानपुर द्वारा बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि सड़क बनाने के विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 27.04.2004 को बन्दी ने अपने 03 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी व कट्टे से गोली मारकर सत्यप्रकाश नामक व्यक्ति की हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी यदुनाथ सिंह पुत्र श्री अमरेश बहादुर सिंह को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।